



Handwritten notes in Hindi, including 'दात 3000 रुपाय' and '2000'.

Handwritten calculations: 11/11/2011, 15.00, 5.20, 23.62, and other scribbles.

Vertical handwritten notes on the right side of the page, possibly a ledger or record.

1. लेख्यकार्क डा. मोला साव सोनार पिताक नाम स्वर्गीय डा. विन्धु साव सोनार जाति सोनार पेडा खेत बारी तथा दगिर रोजगार पार्क निवास गांव मोजा गौतरा सोनार टोली प्रगना बिरु चाना सिमडेगा जिला रांचा - दाना।

2. लेख्यकार्क डा. कृष्णा साव सोनार पिताक नाम स्वर्गीय डा. विन्धु साव सोनार जाति सोनार पेडा खेत बारी तथा दगिर रोजगार पार्क निवास गांव मोजा गौतरा सोनार टोली प्रगना बिरु चाना सिमडेगा जिला रांचा, बिहार निवासी ग्राहिका।

3. लेख्यकार्क दान पत्र (टिबानाम) पुत्र पुत्रादिक इफाला इपोलाद सबदिन के लिखे होना है।

4. मालियत दो सौ रुपया इपुंके 200/- रुपये का सम्यति।

5. दान में दगिर सम्यति दो डिस्माल इपुंके 0.02 डि. जामाग की खपर पोभा मवान टिकियत कारस्त कारमा जिसका पूडा पूडा बिवररा नाचे दिया गया है।

Vertical handwritten signature or name: श्री प्रामा। व



१. चुंके लेख्यकार (दात) को
 लेख्यधार (ग्राहक) एक ही जगह पर
 भाई है। लेख्यधार को मकान डाला
 बनाने के लिए कोई जमाग नहीं होने
 के वजह लेख्यधार ने बरिग जमाग
 मुक्त लेख्यकार से पति का प्राधन
 का जिसे मैं ने दात से देने को स्विकार
 गौरा प्रपञ्ज से कबल चार पांच वर्ष पहले
 जवाना से दिया, किन्तु लिखित नहीं होने
 के वजह लेख्यधार के नाम मैं ने वह
 दात पत्र (हिवा नामा) अपनी इच्छा मन
 को शरि के पाक को आफ से रह के
 लिख दिया कि प्रमाणा रहे। अब से दात से
 से दात पत्र में दण्ड सभ्यते से मुक्ति
 न मेरे कि सभ्यता उत्तराधिकार वारिशात
 का सम मौका मिकत को कोई हक सरीकार
 नहीं है न रहान रहेगा। सारा इफ्तिकार
 लेख्यधार तथा उनके उत्तराधिकार
 को रहानो रहेगा।

२. चाहे कि लेख्यधार तथा उनके
 उत्तराधिकार से दात में दण्ड सभ्यते
 का दारिबल खारिज अपने नाम बिहार सरकार
 वजारे इफ्तिकार सिद्धिगा की
 जमादार सभ्यते से कर के मोकरे

दात: श्री लाल दात
 पति: जय प्रकाश दात
 तार: ७-५-५६
 श्री मीमांसा

श्री सती कामेश्वर दात
 गणेश दात
 मता सिद्धिगा बिहार
 तार: ७-५-५९



मोकररे वाला मालगुजारी का खास
 रसंदि लेंग तथा दगिर ऐकन वगैर
 दिया करे। लीख्य चारुने कवल चा
 पांच बर्ष पहले मन्तान बनाकर सुधरि
 वार के रहता है।
 शिदान में दगिरि सम्योतिका पूरु विवरया-
 गांव मौजा गौरा सोनार रोका घाता
 नम्बर २० पुगना बिरु घाता सिफडेगा
 सबर डिस्ट्रिफाफिस सिफडेगा सबर
 डिस्ट्रिफाफिस तथा जिलारांची
 खेवर नम्बर २ खाता नम्बर ७३
 पल्लाट नम्बर २१३ रकबा ०.०२ डी जालीक
 उत्तर चोटेई उत्तर वांड बेरोनेका
 दखिन कन्टेया साव सोनार का मन्तान
 मालगुजारी सोलियाता ०.०२ के सिफलाके
 सेषा से दान मन्तान के मुल मन्तान
 मीरि दे चरगे तथा इच्छा मुला
 दे लिला खुद वर दे कोला ठीक
 हो ताति व चारु ना व धिर ता इव
 इपचिन का सा लचडागद हिल
 मो राम सिमडेगा रचटा ताव
 ७-६-१८२९ ई।

सुधरि मोलार जाक
 सोनार को चरुगा
 डिस्ट्रिफा ७-६-१८२९
 नीलामाव

गौरा सोनार
 गांव सिफडेगा जालीकी
 नम्बर ७-६-२१

7



श्री मीला साह सीकर पिता स्वर्गीय श्री बाधुशंकर
 सीकर उम ४२ वर्ष जति सीकर धिया खिना
 नया दभार डोडगा पाल विनास गोनटा सीकर
 दोलारिया सिन्धिया जिला रांची गसपय
 ब्यात करवा हुंर जो उमी से ने दान पत्र
 रिवा हुंर उव विहा सुमि सुधा उपा विभवम सीका
 विचारण संवत् १९६२ जे सुमि सुमि संजोचन
 अचि विभव १९६२ जो विहा गटरी उपापनि
 (सीका) अचि विभव १९६२ जो विहा गटरी
 सुनका अचि विभव १९६२ जो विहा गटरी
 अचि विभव १९६२ जो विहा गटरी
 सीमा विचारण से उकादा वरु है।

मीलामाव

दादा श्री मीला साह सीका ही श्री
 दुःख हरया दास बलदु हवगिय संगल
 दास जति जो हका म विभा सेती सा
 गोनख हरि उका दोलारिया धिम डोडा
 जिला रांची ने पहचान करि उका
 मेरे साहने हुवा कन वलदीन करि
 नि उका ने उका उका उका उका उका
 सुप वि उका से उका है।

दुःख हरया दास
 ल. ६-५-२५

(Signature)
 मिश्र साह वकाधिका



मैं कृष्णा साव सीकर पिता स्वर्गीय श्री बरह
 सात सीकर उम ३३ वर्ष जाति सीकर देवा
 खेती तथा दगा रोडगा पार्लो निवास गौत
 सीकर गेली, ब्राना खिंडगा जिला रांची सभयक
 बकात नकजा है दि जो उम ११ में दान में ले
 है एवं धारित जमाग कि हर सुनि सुधार (अधि नवम
 निमम सीमा निधरसा एवं अंधि शेष सुनि अर्वा
 सजीधन इपुधि निमम १६६२ एवं कि हर उदर
 सुधारी (सीमा इपुधि निमम १६६२ जो वि
 गजद सुधर अर्वा दिना २२६६ ६६२
 में प्रकाशित रिवाग था है कि उपसु
 सीमा निधारण से उकादा नई है।

कृष्णा साव सी न. २
 ६-५-२९

प्रादित श्री दुधरा साव सी न. १
 श्री दुधरा साव पिता एक संगल
 दाल जाति गौतम कि वे साविक
 साव गौतम उदर गेली बका
 रिमि उगा जिला रांची ने सिरे साव
 पदचातु उदर ने सिरे साव उदर
 नखर हरि पारि उदर बका
 उदर ने जान राय उदर कि बका
 से सच्य है।

साव साव सी न. ३
 ६-५-२९

[Signature]
 निपतन नकाधिन